ऊर्जा दीर्घकालिक नीति का विषय है जो सभी को प्रभावित करता है: लोक सभा अध्यक्ष

...

ऊर्जा क्षेत्र में एफिशिएंसी और सस्टेनीबिलिटी के लिए वैश्विक दृष्टिकोण की आवश्यकता : लोक सभा अध्यक्ष

...

सरकारी नीतियों के निर्धारण में समितियों की अहम भूमिका : लोक सभा अध्यक्ष

...

संसदीय समितियां दलगत मतभेदों से ऊपर उठकर कार्य करती हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

संसदीय समितियां समाज को लाभान्वित करने के लिए विषयों का चयन सावधानी से करें: लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा अध्यक्ष ने ऊर्जा संबंधी संसदीय स्थायी समिति के सदस्यों से चर्चा की

...

नई दिल्ली; 03 नवंबर, 2022: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज संसद भवन परिसर में ऊर्जा संबंधी संसदीय स्थायी समिति के सदस्यों से चर्चा की।

इस अवसर पर श्री बिरला ने संसदीय समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका के विषय में कहा कि समितियों में राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर कार्य होता है। उन्होंने कहा कि संसदीय समितियां सरकार की नीतियों का मार्गदर्शन करने और दीर्घकालिक नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऊर्जा क्षेत्र के महत्व पर, श्री बिरला ने कहा कि इस क्षेत्र में एफिशिएंसी और सस्टेनीबिलिटी की दिशा में एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य की आवश्यकता है।

श्री बिरला ने अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में ऊर्जा संसाधनों के उत्पादन, वितरण, मूल्य निर्धारण और विश्वसनीयता के संबंध में कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में समिति के कार्य की सराहना की। उन्होंने जमीनी स्तर के अनुभवों और अध्ययन दौरों के साथ-

साथ आम जनता के फीडबैक के आधार पर सदस्यों के बहुमूल्य सुझावों के लिए उनकी प्रशंसा की। श्री बिरला ने विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया कि संसद सदस्यों से प्राप्त इनपुट को उचित महत्व दिया जाए क्योंकि ऊर्जा संविधान की संयुक्त सूची का भाग है। भारत को अक्षय ऊर्जा के लक्ष्यों तक पहुंचने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, श्री बिरला ने कहा कि ऊर्जा एक दीर्घकालिक नीति क्षेत्र है जो सभी को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि अक्षय स्रोतों से प्राप्त स्वच्छ और हरित ऊर्जा आने वाले भविष्य में हमारी अधिकांश ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करे।

श्री बिरला ने समिति के सदस्यों को यह भी आश्वासन दिया कि उनके लिए उच्च गुणवत्ता के साथ शोध सहायता सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह कदम समिति के प्रतिवेदन व संस्तुति की गुणवत्ता में सुधार करने में कार्य करेंगे। श्री बिरला ने कहा कि सदस्यों और अधिकारियों के बीच अधिक समन्वय से और अधिक प्रासंगिक चर्चा और बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे।

इससे पूर्व समिति के अध्यक्ष श्री जगदंबिका पाल ने स्वागत भाषण दिया और समिति की ओर से सांसद श्री जयप्रकाश ने धन्यवाद ज्ञापित किया।